चन्द्रयान-3 के सफल मिशन के एक साल पूरा होने पर यूटीयू ने मनाया पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

अमर हिन्दुस्तान

देहरादून। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में शुक्रवार को अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति छात्र-छात्राओं के रूझान को बढ़ावा देने के उददेश्य से पहला ''राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस'' कार्यक्रम आयोजित किया गया क्योंकि आज ही के दिन 23 अगस्त, 2023 को इसरो के चन्द्रयान-3 के विक्रम रोवर ने चाँद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड किया था व दक्षिणी धुरव पर उतरने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया। चन्द्रयान-3 के इस सफल मिशन के एक साल पूरा होने पर पूरे देश के साथ ही उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा भी अपने परिसर में पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस एक उत्सव के रूप में मनाया गया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि अन्तरिक्ष में उतर कर चन्द्रमा को छूना किसी के भी जीवन के अविस्मरणीय क्षण होते हैंजो समाज में अनुसंधान और प्रौद्योगिकी पर अंतरिक्ष अन्वेषण के गहरे प्रभाव पर बल देती

है। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमारा देश आज पूरी दुनिया में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक लीडर बन चुका है जो मानवीय ज्ञान और क्रेटिविटी की सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है। प्रो सिंह ने कहा कि आज के दिन राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का मनाया जाना अपने आप में अंतरिक्ष अनुसंधान व तकनीकी के क्षेत्र में भारत की प्रगति के उत्सव का द्योतक है और अंतरिक्ष के क्षेत्र में सफलता न केवल भारत ने इसरो के वैज्ञानिकों व इंजीनियरों की दिन-रात की कड़ी मेहनत और समर्पण का भी प्रतीक है। कार्यक्रम में उत्तराखण्ड स्पेस एप्लिकेशन सेटर यूसैक की वैज्ञानिक एवं इंजीनियर डॉ अरूणा रानी ने भी बतौर स्पीकर छात्रों को अंतरिक्षा क्षेत्र की जानकारियां दी।

विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों को चन्द्रयान-3 की उपलब्धियों को बताने और दिखाने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें छात्र-छात्राओं ने बडे,उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले छात्रों के बीच अंतरिक्ष यात्रा से संबंधित विभिन्न प्रकार की पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता, रॉकेट मेकिंग चैलेंजेस और क्या अंतरिक्ष में कॉलोनियों बनाना धरती पर बढ़ती जंनसख्या का समाधान हो सकती है, और क्या अंतरिक्ष पर्यटन मानवता के लिए एक छलांग है या फिर संसाधनों की बर्बादी संबंधी विषयों पर डिबेट प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव, डॉ सत्येन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ विनय कुमार पटेल, परिसर संस्थान महिला प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक डॉ, मनोज कुमार पाण्डा, यूसैक की वैज्ञानिक एवं इंजीनियर डॉ अरूणा रानी,फैकल्टी ऑफ टैक्नोलॉजी, फैकल्टी ऑफ फार्मेसी, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट के शिक्षकों व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।